

प्रेषक,

के०डी० भट्ट,
प्रमुख सचिव एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
भवाली, नैनीताल।

न्याय अनुभाग—1

०५- उपप्रैल

देहरादून: दिनांक मार्च, 2015

विषय— उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल हेतु सृजित अस्थायी पदों की निरन्तरता बढ़ाया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय ज्ञाप—१—एक(10)छत्तीस(1)/न्याय अनु०/2004 दिनांक 26—१०—२००४ तथा शासनादेश सं०—१—एक(10)छत्तीस(1)/न्याय अनु०/2005—५६३/२००१ दिनांक 31—१०—२००५ द्वारा उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल हेतु सृजित ०५ एवं ४५ अस्थायी पदों के अनुक्रम में शासनादेश संख्या—४७/XXXVI(1)एक/2012—५६३/२००१ दिनांक ०२—०३—२०१२ के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, नैनीताल के लिये अस्थायी रूप से सृजित सभी पदों की निरन्तरता वर्ष २०१४—१५ में दिनांक ०१—०३—२०१४ से २८—०२—२०१५ तक की समयोपरान्त स्वीकृति एवं आगामी वित्तीय वर्ष २०१५—१६ में दिनांक ०१—०३—२०१५ से २९—०२—२०१६ तक की निरन्तरता, वर्तमान शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन, यदि वे बिना पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाये, तक बढ़ाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

२— उक्त पर होने वाला व्यय संगत वित्तीय वर्ष के आय व्ययक के अनुदान सं०—०४ के अन्तर्गत लेखाशीर्षक “२०१४—न्याय प्रशासन—००—आयोजनेत्तर—८००—अन्य व्यय—०९—उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी—००” के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

३— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०—२६२ ND/ XXXVII (5)2014 दिनांक ०४—०३—२०१४ में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(के०डी०भट्ट)
प्रमुख सचिव

संख्या—१५८/XXXVI(1)/2015-563 / 2001 तददिनांक:-

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

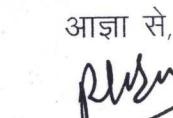
१— महालेखाकार,(लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, ओबराँय भवन, माजरा, देहरादून।

२— महानिबन्धक, मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल।

३— वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।

४— वित्त अनुभाग—५/ कार्मिक अनुभाग/ एन०आई०सी०/ गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(राकेश कुमार सिंह)

संयुक्त सचिव